(ख) उपरोक्त रियायतें बिना किसी शर्त के दी गयी हैं ।

तिल के तेल का मूल्य

९५०. **श्री ओंकार लाल बेरवा**
श्री चतर सिंह :

क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि हमारे देश में तिल के तेल का मूल्य और देशों से कहीं अधिक है;

(ख) यदि हां, तो देश में तिल की उपज बढ़ाने के लिए सरकार क्या प्रयत्न र रही है; और

(ग) इस वक्त देश में किस जगह तिल सब से ज्यादा पैदा होता है ?

कृषि तथा खाद्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० राम सुभग सिंह): (क) निश्चित रूप से यह बताना सम्भव नहीं है कि हमारे देश में तिल के तेल का मूल्य दूसरे देशों से कहीं अधिक है क्योंकि तिल के तेल के नियमित अन्तर्राष्ट्रीय भाव उपलब्ध नहीं हैं ।

(ख) तिलहन जिस में तिल भी शामिल है, के उत्पादन को बढ़ाने के लिए दोनों विस्तृत और सघन कृषि साधनों द्वारा प्रयत्न किये जा रहे हैं । इस प्रयोजन के लिए केन्द्रीय सरकार राज्य सरकारों को उपयुक्त सहायता। ऋण दे रही है ताकि उर्वरकों, सुधरे हुए बीजों, पौद संरक्षण उपायों और सुधरे हुए औजारों के प्रयोग को बढ़ाया जा सके ।

(ग) तिल उत्तर प्रदेश, राजस्थान, आन्ध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, मद्रास और महाराष्ट्र में काफी मात्रा में पैदा होता है ।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस से जवानों का कटना

९५१. **श्री ओंकार लाल बेरवा :**
श्री गोकरन प्रसाद :
श्री विश्वनाथ पाण्डेय :

क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि १० सितम्बर, १९६३ को फर्रुखाबाद और शमसाबाद के बीच आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस से रक्षक दल के दो जवान कट गये थे;

(ख) यदि हां, तो इसका क्या कारण था;

(ग) क्या यह भी सच है कि इंजन में लाइट नहीं थी; और

(घ) यदि हां, तो इस का क्या कारण था ?

रेलवे मंत्रालय में उपमंत्री (श्री सें० वें० रामस्वामी) : (क) और (ख). ८/९ सितम्बर, १९६३ की आधी रात के लगभग प्रान्तीय रक्षा दल के दो सिपाही गश्त लगाते समय शुकरुल्लापुर और फ़र्रुखाबाद स्टेशनों के बीच रेलवे लाइन को पार करने की कोशिश में १४ डाउन आगरा एक्सप्रेस गाड़ी की चपेट में आ गये । इस दुर्घटना में एक सिपाही घटनास्थल पर तत्काल मर गया और दूसरा बाद में अस्पताल में मर गया ।

(ग) जी नहीं ।

(घ) सवाल नहीं उठता ।

ट्रक से रेलवे इंजन की टक्कर

९५२. **श्री ओंकार लाल बेरवा :**
श्री गोकरन प्रसाद :

क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :